

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव

 टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

गंगावतरणम्
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

अप्रैल-जून, 2022

Cover Story - THDCIL : Generating Power... Transmitting Prosperity...



संपादकीय



प्रिय पाठकों,

गृह पत्रिका गंगावतरणम् का अप्रैल-जून, 2022 अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस पत्रिका के हर अंक को महत्वपूर्ण, रोचक व जानकारीयुक्त बनाने में संपादक मण्डल सदैव प्रयासरत रहता है। गंगावतरणम् के वर्तमान अंक में पाठ्य सामग्री, डिजाइन और लेआउट में सकारात्मक परिवर्तन संपादक मण्डल द्वारा किए गए हैं, मैं आशा करता हूँ कि आप सभी इन्हें पसंद करेंगे।

कॉरपोरेशन में होने वाली गतिविधियों, उपलब्धियों एवं संबंधित समाचारों को पत्रिका के हर अंक में मुख्य रूप से स्थान दिया जाता है। इस पाठ्य सामग्री को हर अंक में संतुलित रूप से प्रस्तुत करने की अपेक्षा संपादक मंडल से की जाती है और मुझे खुशी है कि हम अभी तक इसमें सफल रहे हैं।

पत्रिका के हर अंक की भांति इस अंक में भी कॉरपोरेशन में आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियों, समाचारों और उपलब्धियों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है जैसे कॉरपोरेशन के 35वें स्थापना दिवस का आयोजन, टिहरी परियोजना में परामर्शदात्री समिति की बैठक जिसमें माननीय केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा), भारत सरकार एवं माननीय विद्युत राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य तौर पर उपस्थित रहे, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड, भारत सरकार की उपस्थिति में टिहरी बांध के ब्यू पॉइंट पर "टिहरी बांध की यात्रा" पर विशेष प्रस्तुतीकरण, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड, भारत सरकार से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की शिष्टाचार भेंट, निदेशक (जल विद्युत), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार का दौरा, सचिव विद्युत का दौरा, टीएचडीसीआईएल और आरआरईसीएल के मध्य समझौता ज्ञापन निष्पादन समारोह का आयोजन और टिहरी में 'Crisis Communication and Building Trust' विषय पर कार्यशाला का सफल आयोजन।

मुझे आप सभी से यह साझा करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को वर्ष 2020-21 के लिए एनटीपीसी राजभाषा शील्ड योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। राजभाषा के उन्नयन के लिए कॉरपोरेशन के अथक प्रयास सराहनीय है।

इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां, रक्तदान शिविर आदि गतिविधियों को भी इस पत्रिका में विशेष स्थान दिया गया है। मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका का वर्तमान अंक आप सभी को ज्ञानवर्धक लगेगा। आपके द्वारा दिए गए सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, अतः पत्रिका को और रोचक एवं महत्वपूर्ण बनाने के लिए आप अपने सुझाव हमें hj.thdc@gmail.com पर भेज सकते हैं।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक

श्री राजीव विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री राजीव विश्नोई
निदेशक (कार्मिक)

संपादक

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
अपर महाप्रबंधक
(मा. सं. - कॉरपोरेट संचार)

उप संपादक

श्री गौरव कुमार
प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार)

विशिष्ट सहयोग

श्री शिवराज चौहान
उप महाप्रबंधक (टिहरी पी.एस.पी.)

श्री पंकज कुमार शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

सहायक संपादक

सुश्री काजल परमार
वरिष्ठ ज. सं. अधिकारी

समन्वयक

ऋषिकेश : श्री ईशान भूषण
वरिष्ठ ज. सं. अधिकारी

टिहरी : श्री मनवीर नेगी
उप प्रबंधक (ज.सं.)

कोटेश्वर : श्री आर.डी. ममगाई
उप प्रबंधक (ज.सं.)

पीपलकोटी : श्री यतवीर सिंह चौहान
उप प्रबंधक (ज.सं.)

कौशाम्बी : श्री बी. एस. चौहान
वरिष्ठ ज.सं. अधिकारी

खुर्जा : सुश्री शुभांशि मणि त्रिपाठी
वरिष्ठ ज.सं. अधिकारी

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



35वें स्थापना दिवस पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का अभिभाषण

निदेशक (वित्त) श्री जे. बेहेरा; सभागार में उपस्थित टीएचडीसी परिवार के सभी सदस्यगण; Webcast के माध्यम से सुदूर स्थानों से जुड़े प्रिय साथियों, सहयोगी विभागों, संस्थानों तथा एजेंसियों में कार्यरत हमारे सहभागी, देवियों और सज्जनों –

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के 35वें स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई देता हूँ तथा इस समारोह में आपका स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ। देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने पर “आज़ादी का अमृत महोत्सव” के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के सफल निष्पादन हेतु मैं, इन आयोजनों में संलग्न सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इस कार्य को पूरी निष्ठा से करने पर बधाई देता हूँ। निगम की कार्यप्रणाली में राष्ट्र हित सर्वोपरि स्थान पर है, तथा हमारी समस्त गतिविधियों में यह भाव परिलक्षित होता है।

मैं आप सभी के परिवार जनों को भी बधाई देता हूँ तथा आभार व्यक्त करता हूँ क्योंकि परिवार के सहयोग तथा त्याग के बिना अपने कर्तव्यों के निर्वहन के प्रति आपका समर्पण और निर्बाध सहयोग संभव नहीं हो सकता।

वित्त 34 वर्षों में टीएचडीसी ने अनगिनत उत्तार चढ़ाव देखे हैं। कम्पनी ने भीषण संघर्षों तथा चुनौतियों के दौर को जिया है और शानदार सफलताओं तथा उपलब्धियों की आभा भी देखी है। 34 वर्ष पूर्व टिहरी जल विद्युत परियोजना के दक्षतापूर्ण कार्यान्वयन के उद्देश्य से बनाई गयी यह कम्पनी आज न केवल हाइड्रोपावर के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है बल्कि Thermal Power, Solar Energy और Wind Energy के क्षेत्र में सुदृढ़ पहचान बना रही है। Tehri PSP, जिसकी commissioning मौजूदा वित्त वर्ष में करने के लिए हम वचनबद्ध हैं, टीएचडीसी की विकास यात्रा में एक नए युग का सूत्रपात करेगी।

व्यक्तिगत रूप से मैं इस पूरी यात्रा का साक्षी रहा हूँ और इसके लिए गौरवान्वित महसूस करता हूँ। आज इस शीर्ष पद से आपको सम्बोधित करते हुए मैं टीएचडीसी के प्रति कृतज्ञ हूँ। साथ ही यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जब कम्पनी की ऐतिहासिक यात्रा से सीख लेते हुए हमें आगे आने वाले समय के लिए कम्पनी के विकास की दिशा निर्धारित करनी होगी।

यदि हाल के महीनों में या पिछले एक वर्ष की गतिविधियों का विश्लेषण करें, तो आप पाएंगे कि यह समय, कम्पनी की कार्यप्रणाली में एक अद्भुत गतिशीलता को व्यक्त करता है।

भारत सरकार और अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा टीएचडीसीआईएल को अरुणाचल प्रदेश में जल विद्युत क्षेत्र की 2 मेगा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी दी गई, जो कि टीएचडीसी की क्षमताओं में भारत सरकार तथा सुदूर राज्यों की शासन व्यवस्थाओं द्वारा व्यक्त किये गए विश्वास का प्रमाण है।

हाल ही में 15 अप्रैल 2022 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मध्य राजस्थान में 10,000 मे.वा. अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्कों के विकास हेतु एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निगम द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे देश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान मिलेगा, यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। कॉरपोरेशन भारत सरकार के स्वच्छ ऊर्जा अभियान में 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने के लक्ष्य में अपना सम्पूर्ण योगदान दे रहा है। इसी के साथ हमारी सहायक कंपनी TUSCO के माध्यम से झारखी और ललितपुर में 600 MW, और चित्रकूट में 800 MW क्षमता के Solar Parks का कार्य प्रगति पर है।

निर्माणाधीन टिहरी (PSP) 1000 MW का कार्य भी गतिशील है। इसके साथ ही Thermal Power के क्षेत्र में हमारी महत्वाकांक्षी 1320 MW की खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना पर कार्य संतोषजनक रूप से प्रगति पर है। इन दोनों परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण करने हेतु हम कृत संकल्प हैं तथा मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके अथक परिश्रम तथा अप्रतिम योगदान से हम इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने में सफल होंगे। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विष्णुगढ़ पीपलकोटी परियोजना का कार्य भी अब पूर्णतः नियंत्रण में है तथा अब इस परियोजना को पुनर्निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना हमारा दायित्व है।

परन्तु हमें नहीं भूलना चाहिए कि प्रत्येक उपलब्धि के साथ एक उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। प्रत्येक अवसर एक चनौती के साथ बंधा हुआ होता है।

• आपको भली भांति ज्ञात है कि बीते एक वर्ष में कम्पनी की छवि तथा प्रतिष्ठा में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।



Generating Power... Transmitting Prosperity...

- आज टीएचडीसी की पहचान हाइड्रो क्षेत्र की एक विशेषज्ञ संस्था के रूप में है।
- आज टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऊर्जा क्षेत्र की एक स्टार कम्पनी के रूप में प्रतिष्ठित है।
- ऊर्जा क्षेत्र में किसी भी चुनौती के समय ऊर्जा मंत्रालय और ऊर्जा क्षेत्र के संस्थान हमारी ओर आशा भरी दृष्टि से देखते हैं।
- ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिष्ठान और अन्य CPSUs के मध्य टीएचडीसी तकनीकी रूप से सक्षम कम्पनी के रूप में चिन्हित है।
- यहाँ तक कि देश की ऊर्जा नीति के निर्धारण में टीएचडीसी के अभिमत को महत्व दिया जाता है।
- किसी नई पहल या नयी योजना के क्रियान्वयन में टीएचडीसी को प्राथमिकता दी जाती है।
- एक प्रतिष्ठान के रूप में टीएचडीसी का यह रूपांतरण, साकार हो रहा है। इस ट्रांसफॉर्मेशन को महसूस किया जा सकता है और इसका अहसास अप्रतिम है— अमृतपूर्व है।

इसी सुखद अहसास के साथ कम्पनी के लिए, मेरे लिए और आप सबके लिए नयी चुनौतियों की शुरुआत होती है।

- चुनौती है इस प्रतिष्ठा को बनाये रखने की।
- चुनौती है प्रतिष्ठा के अनुरूप परिणाम देने की।
- चुनौती है यह सब कर दिखाने की, जिसकी हमसे अपेक्षा की जा रही है।
- जो आशा इस कंपनी ने जगाई है, जो विश्वास इस कंपनी ने अर्जित किया है उसको बनाये रखना और उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि करना चुनौती है।
- SUSTAINABILITY इस पूरे अभियान का मूल मंत्र है।
- यही समय है जब हमें पूरी प्रतिबद्धता के साथ, पूरे समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जुट जाना है।
- याद रहे, इस फेज में 99% पर्याप्त नहीं है। हमें अपनी 100% सामर्थ्य प्रदर्शित करनी है, और इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है।
- साथियों एक सुनहरा भविष्य आपका स्वागत करने को तत्पर है। उस स्वर्णिम अवसर की आभा क्षितिज पर उभरने लगी है, परन्तु वहाँ तक पहुँचने का पुरुषार्थ हमें प्रदर्शित करना है।
- टीएचडीसी ने अपनी यात्रा में अद्वितीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। टिहरी जैसी विराट परियोजना को परिपूर्ण करने का गौरवपूर्ण इतिहास हमारी प्रेरणा है और हमारे आत्मविश्वास का स्रोत भी है।
- अब टिहरी परियोजना के ऑंचल की छाया से बाहर निकलने का समय है।
- अब समय है वास्तविकता के धरातल पर फिर से कदम बढ़ाने का।
- अब समय है उसी जोश को, उसी जज्बे को, उसी dedication को और उसी commitment को फिर से जीने का जो हमने टिहरी परियोजना के निर्माण में कर दिखाया था।
- टिहरी बाँध आपके जीवन की एक महान उपलब्धि है और उसके लिए तालियाँ बजाने का काम बाहरी दुनिया को करने दीजिये। आपको अगले शानदार पड़ाव की ओर बढ़ना है, केवल बढ़ना नहीं—दौड़ना है।
- एक भव्य और आलीशान अवसर आपके सम्मुख है।
- एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य आपके सामने है।
- टीएचडीसी की एक नयी पहचान स्थापित करने का लक्ष्य देश की एकीकृत ऊर्जा कम्पनी — Integrated Power Utility Company का दर्जा हासिल करना है और हम — इस महान अवसर की दहलीज पर खड़े हैं।
- यह प्रश्न उठना ही नहीं चाहिए कि यह लक्ष्य कितना बड़ा है।

- केवल एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि हम मिलकर इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं — Together We Can !!
- आवश्यकता है पूरे मनोयोग के साथ कार्य करने की।
- आवश्यकता है एक भव्य सोच प्रणाली को विकसित करने की।
- रोजमर्रा के मामूली मुद्दों से ऊपर उठना होगा।
- व्यक्तिगत हितों को त्यागना होगा।
- किसी से मुकाबला करने या किसी से स्वयं की तुलना करने की भावना को तिलांजलि देनी होगी।
- आपका मुकाबला केवल स्वयं से है और आपको हर दिन यह मुकाबला जीतना है।
- आपका ध्यान केवल कम्पनी के लक्ष्य पर होना चाहिए।
- इस लक्ष्य को हासिल करने के अनुष्ठान में आपमें से प्रत्येक का एक रोल है और वह रोल महत्वपूर्ण है।
- याद रहे कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है—टीएचडीसी महत्वपूर्ण है।
- No person is important- THDC is Important.
- Underline it - No person is important - THDC is important.
- टीएचडीसी सुप्रीम है, टीएचडीसी की यात्रा, टीएचडीसी के उद्देश्य और टीएचडीसी के लक्ष्य सुप्रीम हैं।
- कंपनी की इस विकास यात्रा की रणनीति स्पष्ट है — इस यात्रा में आपका प्रदर्शन, आपका योगदान सर्वोत्तम होना चाहिए — सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए; सर्वश्रेष्ठ से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं है।
- सर्वश्रेष्ठ का यह संकल्प अभी — इसी क्षण लेना होगा क्योंकि मेगा लक्ष्य की ओर कम्पनी के कदम बढ़ चले हैं।
- याद रखिये महान लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ठोस शुरुआत और निरंतर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन महत्वपूर्ण है।
- शुरुआत हो चुकी है — अब समय है आपके सर्वोत्तम प्रदर्शन का और सर्वश्रेष्ठ योगदान का।
- You have to consistently give your best and if the best is not commensurate with the requirement then I will demand better than the best.
- मैं आपसे सर्वश्रेष्ठ से भी बेहतर प्रदर्शन का आह्वान करता हूँ।
- इस लक्ष्य की प्राप्ति में कोई बाधा स्वीकार्य नहीं है — कोई शिथिलता स्वीकार्य नहीं है।

इस महान अभियान में मैनेजमेंट का भी महत्वपूर्ण योगदान है। मैं आपको आश्चर्य करना चाहता हूँ कि कम्पनी प्रबंधन आपके हितों के प्रति सजग है और आपके कैरियर विकास से लेकर व्यक्तिगत तथा पारिवारिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों तक कोई भी विषय मैनेजमेंट की दृष्टि से बचा नहीं है।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपको इन विषयों पर और संसाधनों की उपलब्धता के विषयों पर सोच विचार करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

मैनेजमेंट आपके हितों की रक्षा के लिए और आपके सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर है। आपको तत्पर रहना है कम्पनी के सर्वांगीण विकास के लिए।

साथियों, प्रतिभा और ऊर्जा से परिपूर्ण अपनी टीम को देखते हुए मुझे इस नयी यात्रा में टीएचडीसी की सफलता स्पष्ट नजर आती है।

मैं टीएचडीसी के इस नए अवतार के लिए आपको अग्रिम बधाई देता हूँ।

धन्यवाद, नमस्कार !!

— मूल अभिभाषण से संकलित



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



टिहरी में “जलविद्युत क्षमता में अभिवृद्धि की आवश्यकता” विषय पर विद्युत मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक

टिहरी जल विद्युत परियोजना, टिहरी में “जल विद्युत क्षमता में अभिवृद्धि की आवश्यकता” विषय पर 26 मई, 2022 को विद्युत मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कैबिनेट मंत्री, विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, भारत सरकार, श्री आर. के. सिंह द्वारा की गयी। बैठक में माननीय राज्यमंत्री, विद्युत एवं भारी उद्योग, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल भी उपस्थित रहे। विद्युत मंत्रालय की इस परामर्शदात्री समिति के सदस्यगण माननीय सांसद रहे। टिहरी क्षेत्र की माननीय सांसद (लोकसभा), श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रही।



टिहरी में आयोजित परामर्शदात्री समिति की बैठक के दृश्य



Generating Power... Transmitting Prosperity...

“टिहरी बांध की यात्रा” पर विशेष प्रस्तुतीकरण

टिहरी जल विद्युत परियोजना, टिहरी में “जल विद्युत क्षमता में अभिवृद्धि की आवश्यकता” विषय पर 26 मई, 2022 को विद्युत मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक के आयोजन के दौरान, टिहरी बांध व्यू प्वाइंट पर एक विशेष फिल्म प्रस्तुतीकरण दिया गया।

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड, श्री पुष्कर सिंह धामी और माननीय कैबिनेट मंत्री, विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, भारत सरकार, श्री आर.के.सिंह के साथ-साथ माननीय सांसदों व विद्युत मंत्रालय एवं केन्द्रीय विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के वरि. अधिकारियों के समक्ष टिहरी बांध के व्यू प्वाइंट पर “टिहरी बांध की यात्रा” पर विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया। श्री राजीव विश्‍नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया तथा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में अपने व्यापक अनुभवों को साझा किया।



“टिहरी बांध की यात्रा” पर बनी फिल्म की प्रस्तुतीकरण का दृश्य

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड वर्ष 2020-21 के लिए एनटीपीसी राजभाषा शील्ड योजना के अंतर्गत पुरस्कृत

12 मई, 2022 को अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित हुई विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को वर्ष 2020-21 के लिए एनटीपीसी राजभाषा शील्ड योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। माननीय विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री आर.के.सिंह के कर-कमलों से यह शील्ड श्री राजीव विश्‍नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा प्राप्त की गई। बैठक में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की राजभाषा पत्रिका पहल का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर श्री पंकज शर्मा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी भी उपस्थित रहे।



माननीय विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री आर.के. सिंह के कर कमलों से शील्ड प्राप्त करते अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री राजीव विश्‍नोई

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की शिष्टाचार भेंट

माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, श्री पुष्कर सिंह धामी से 18 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री आवास में श्री राजीव विश्णोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान उन्होंने टीएचडीसीआईएल द्वारा राज्य में संचालित जल विद्युत परियोजनाओं से संबंधित विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री से चर्चा की।



माननीय मुख्यमंत्री से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की शिष्टाचार भेंट का दृश्य



Sh. Rajeev Vishnoi, Chairman and Managing Director attended the 27th ICOLD Congress and 90th Annual Meeting CFBR (French Committee on Dams and Reservoirs) symposium & Young Engineers

THDC India Limited participated in 27th ICOLD Congress and 90th Annual Meeting CFBR (French Committee on Dams and Reservoirs) symposium & Young Engineers in France

Under the dynamic leadership of Sh. Rajeev Vishnoi, Chairman and Managing Director, a delegation of four engineers of THDC India Limited participated in 27th ICOLD Congress and 90th Annual Meeting CFBR (French Committee on Dams and Reservoirs) symposium & Young Engineers from 27th May 2022 to 3rd June, 2022 in Marseille, France. The theme of the event was "Sharing Water: Multi-Purpose of Reservoirs and Innovations". More than 1290 delegates from 72 countries participated in the event and shared their vast knowledge of the Hydro sector. India with 50 delegates from various organizations represented its strong participation in the event.

THDCIL Retired Employees Web Portal Launched

Sh. Rajeev Vishnoi, Chairman and Managing Director launched THDCIL Retired Employees Web Portal on 6th June, 2022. Sh. Veer Singh, Chief General Manager (HR) was also present during the occasion.





Generating Power... Transmitting Prosperity...

माननीय केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी द्वारा टिहरी बांध का दौरा

माननीय केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी ने 12.06.2022 को टिहरी बांध का निरीक्षण किया। श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टिहरी-कॉम्प्लेक्स) ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया। माननीय मंत्री ने टिहरी बांध क्षेत्र, टिहरी बांध के व्यू प्वाइंट पर स्थित त्रिहरी जल शक्ति संग्रहालय तथा टिहरी बांध के भूमिगत पावर हाउस का दौरा किया, जिसमें महाप्रबंधक (स्टेज-प्रथम) एवं अन्य अधिकारियों द्वारा माननीय मंत्री को विद्युत उत्पादन एवं विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी जानकारी दी गई। माननीय मंत्री ने टिहरी बांध निर्माण एवं विद्युत उत्पादन की सराहना की। इस अवसर पर माननीय विधायक टिहरी, श्री किशोर उपाध्याय, माननीय विधायक देवप्रयाग, श्री विनोद कण्डारी, माननीय जिलाधिकारी, टिहरी, श्रीमती ईवा आशीष श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी, श्रीमती अपूर्वा सिंह, माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष, टिहरी-गढ़वाल, श्रीमती सोना सजवाण, महाप्रबंधक (स्टेज प्रथम), श्री एस. के. राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) माननीय केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी का स्वागत करते हुए

श्री अशोक कुमार, निदेशक (जलविद्युत), विद्युत मंत्रालय द्वारा खुर्जा परियोजना का दौरा

श्री अशोक कुमार, निदेशक (जलविद्युत), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 21 मई, 2022 को खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा किया गया। इस अवसर पर श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर निदेशक (जलविद्युत) का स्वागत किया। परियोजना प्रशासन द्वारा निदेशक (जलविद्युत) को परियोजना के निर्माण कार्य की झोन वीडियो एवं पावरप्लांट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उनको वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। इसके उपरांत निदेशक (जलविद्युत) द्वारा परियोजना कार्यस्थल पर चल रहे निर्माण कार्य की समीक्षा की गई एवं तेज गति से लक्ष्य की ओर बढ़ते कार्य को देखकर टीएचडीसी प्रशासन को बधाई दी।



निदेशक (जलविद्युत) के खुर्जा परियोजना के दौरे का दृश्य

इस अवसर पर निदेशक (जलविद्युत) ने खुर्जा परियोजना परिसर में पौधारोपण कर अपने इस दौरे को अंकित किया।



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



“आज़ादी का अमृत महोत्सव” के अंतर्गत 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

“आज़ादी का अमृत महोत्सव” के अंतर्गत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के गंगा भवन परिसर, ऋषिकेश में 11 जुलाई, 2022 को 100 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज पोस्ट का उद्घाटन कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। वर्तमान में सम्पूर्ण राष्ट्र स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों का जश्न मना रहा है, इसी क्रम में श्री राजीव विश्‍नोई, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा 30X20 फीट आकार के तिरंगे का 100 फुट के फ्लैग पोस्ट पर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर श्री जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त) मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के दौरान टीईएस हाई स्कूल, ऋषिकेश के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों की अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर टीएचडीसी के कई वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

संयुक्त सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वीपीएचईपी परियोजना का दौरा



श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना)
संयुक्त सचिव (हाइड्रो) का स्वागत करते हुए

संयुक्त सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री रघुराज माधव राजेंद्रन द्वारा 08 अप्रैल, 2022 को निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के बांध क्षेत्र, विद्युत गृह एवं टी.बी.एम साइट का दौरा किया गया।

इस दौरान श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा संयुक्त सचिव (हाइड्रो) का स्वागत पुष्प-गुच्छ भेंट कर किया गया। जिसके उपरान्त संयुक्त सचिव (हाइड्रो) द्वारा विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में कार्यरत सभी अधिकारियों के साथ एक सामूहिक बैठक की गई जिसमें उनके द्वारा परियोजना कार्यों की प्रगति एवं निर्माण कार्यों में तेजी लाने हेतु उचित सुझाव देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

बैठक में श्री अनिरुद्ध विश्‍नोई, महाप्रबंधक (सिविल), श्री एच. के. त्यागी, अपर महाप्रबंधक (योजना एवं सी. एवं एम.एम.), श्री पी. एस. रावत, अपर महाप्रबंधक (बांध), श्री के. पी. सिंह, अपर महाप्रबंधक (पॉवर हाउस एवं टी. बी. एम.) सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।



Generating Power... Transmitting Prosperity...

International Conference on Hydropower and Dams Development for Water and Energy Security – Under Changing Climate organized from 7th to 9th April, 2022 at Rishikesh



A group photograph during the conference

To focus on the sustainable development of dams and hydropower for meeting the water and energy security requirements under the changing climate, The INCOLD, CBIP and THDC India Limited in collaboration with Central Water Commission (CWC), Ministry of Jal Shakti, Central Electricity Authority, Ministry of Power, in the patronage of International Commission on Large Dams (ICOLD) and International Commission on Irrigation and Drainage (ICID) organised an 'International Conference on Hydropower and Dams Development for Water and Energy Security – Under Changing Climate' as Hybrid event from 7-9th April 2022 at Rishikesh. The above Conference was organised to provide an excellent opportunity to Indian and international dam and hydropower engineering professionals and agencies to share their experiences, ideas and latest developments in sustainable development of dam and hydropower; dams and hydropower development for water and energy security, extreme events due to climate change, Govt. policies, environmental and socio economic aspects, dealing with natural hazards and risks, pumped storage development – current trends & future challenges and dam safety management etc.

During the conference, Sh. Rajeev Vishnoi, Chairman and Managing Director chaired the Technical Session on “Dealing with Natural Hazards and Risks”. It is worth to mention that Sh. Vishnoi was also the Chairman of organizing committee of this Conference.

From 15 countries, 70 full text of technical papers received from the national and international dam experts out of which 42 were presented during the plenary session and 6 technical sessions. More than 350 participants from India and overseas countries participated in deliberations of this event.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



टीएचडीसीआईएल और आरआरईसीएल के मध्य 10,000 मे.वा. नवीकरणीय ऊर्जा पार्क/ परियोजनाएं स्थापित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर



टीएचडीसीआईएल और आरआरईसीएल के मध्य समझौता ज्ञापन निष्पादन समारोह का दृश्य

विद्युत क्षेत्र में विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) और राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मध्य राजस्थान में 10,000 मे.वा. अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्कों के विकास हेतु टीएचडीसीआईएल के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में 15 अप्रैल, 2022 को एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया।

उक्त समझौता ज्ञापन पर टीएचडीसीआईएल की ओर से श्री संजय खेर, महाप्रबंधक (हाइब्रिड एनर्जी बिजनेस) एवं आरआरईसीएल की ओर से श्री सुनित माथुर, निदेशक (तकनीकी) द्वारा हस्ताक्षर किए गए। उक्त समझौता ज्ञापन श्री राजीव विश्‍नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल, श्री जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त), टीएचडीसीआईएल, डॉ. सुबोध अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा तथा खान एवं पेट्रोलियम विभाग, राजस्थान तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आरआरईसीएल की गरिमामई उपस्थिति में निष्पादित किया गया।

इस समझौता ज्ञापन के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा पार्कों का कार्यान्वयन Special Purpose Vehicle (SPV) के माध्यम से आरआरईसीएल के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी के रूप में किया जाएगा।

डॉ. अग्रवाल ने टीएचडीसीआईएल द्वारा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लिए गए इस जरूरी कदम व अनूठी पहल की प्रशंसा की तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

इस कार्यक्रम के दौरान श्री विश्‍नोई ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निगम द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे देश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान मिलेगा।

साथ ही श्री जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त), टीएचडीसीआईएल ने कहा कि यह राजस्थान सरकार के साथ हमारे आपसी संबंधों की शुरुआत है और भविष्य में भी देश की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अनेक परियोजनाओं पर टीएचडीसी और राजस्थान सरकार सहकार्यता और सहभागिता से काम करते रहेंगे।



Generating Power... Transmitting Prosperity...

हर्षोल्लास से मनाया गया 35वां स्थापना दिवस

12 जुलाई, 2022 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का 35वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के साथ-साथ सभी परियोजनाओं एवं इकाईयों में समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री राजीव विश्णोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा टीएचडीसीआईएल का ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित जन समूह को संबोधित किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के स्थापना दिवस संदेश को सभी परियोजनाओं और यूनिट कार्यालयों में लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना गया।



स्थापना दिवस कार्यक्रम के आयोजन के शुभारंभ का दृश्य

ऋषिकेश



कॉरपोरेट कार्यालय में श्री राजीव विश्णोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कॉरपोरेशन का ध्वज फहराया गया।

टिहरी



श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कॉरपोरेशन का ध्वज फहराया गया।

पीपलकोटी



श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा पीपीएचडीसी में कॉरपोरेशन का ध्वज फहराया गया।

कोटेश्वर



श्री ए. के. धिल्लियाल, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा टीएचडीसी के ध्वज को फहराया गया।

कासरगोड



स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. जे. पी. नायक, स्वतंत्र निदेशक द्वारा 50 मे.वा. सौर ऊर्जा परियोजना, कासरगोड का दौरा किया गया।

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



खुर्जा



श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा स्थापना दिवस के सुअवसर पर कारपोरेशन का ध्वज फहराया गया।

देहरादून कार्यालय



देहरादून कार्यालय में 35वें स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

अमेलिया



श्री ए.के. शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक द्वारा स्थापना दिवस के सुअवसर पर ध्वज फहराया गया।

पाटन



35वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पवन ऊर्जा परियोजना, पाटन में टीएचडीसी का ध्वज फहराया गया।

कौशांबी



एनसीआर कार्यालय, कौशांबी में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य



Generating Power... Transmitting Prosperity...

EXHIBITION

Participation in Exhibitions under the ambit of Azadi Ka Amrit Mahotsav

THDCIL participated in two mega exhibitions, 'Rise in Uttarakhand: A mega exhibition' organized at Dehradun, Uttarakhand from 7th July, 2022 to 9th July, 2022 and 'Azadi ka Amrit Mahotsav Exhibition' organized at Gandhinagar, Gujarat from 9th June, 2022 to 12th June, 2022.



Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhama inaugurated THDCIL stall at the Rise in Uttarakhand exhibition in the presence of Hon'ble MP (Rajya Sabha) Sh. Naresh Bansal on 7th July, 2022.



Hon'ble Cabinet Minister, Uttarakhand Sh. Dhan Singh Rawat visited THDCIL stall during the event.

Glimpses of the exhibition



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



EXHIBITION

THDCIL had displayed an eye catching stall at an exhibition based on the theme "Nation Building and CPSEs" organized under Aazadi Ka Amrit Mahostav in Gandhinagar, Gujarat from 09th to 12th June, 2022. The Hon'ble Finance Minister Govt. of India, Smt. Nirmala Sitharaman, Hon'ble CM, Gujarat inaugurated the exhibition at Gandhinagar. THDCIL was represented by a team of Sh. Sanjay Rawat, Sr. Manager (Civil Design), Ms. Sunita Tamta, Manager (RE), Sh. Gaurav Kumar, Manager (PR) and Sh. Anil Talah, Engineer. Sh. Gaurav Kumar, Manager (PR) was also the Coordinator of the team.



Glimpses of THDCIL stall at 'Azadi ka Amrit Mahotsav Exhibition' organized at Gandhinagar, Gujarat from 9th June, 2022 to 12th June, 2022

Media Coverage of the exhibitions





Generating Power... Transmitting Prosperity...

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2022

21 जून, 2022 को कॉरपोरेशन के कॉरपोरेट कार्यालय सहित सभी परियोजना कार्यालयों व यूनिटों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- 2022 मनाया गया। कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में योग दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राजीव विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त) मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2022 की कुछ झलकियाँ



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) सहित अन्य अधिकारी योगाभ्यास करते हुए



टिहरी



पीपलकोटी



खुर्जा



अमेलिया

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



A Technical Paper on “Current Trends and Future Challenges and Policies to PSP Growth” presented by Sh. L.P. Joshi, ED(PSP and APP)



A view of paper presentation during the conference

A technical paper on “Current Trends and Future Challenges and Policies to PSP Growth” was presented by Sh. L.P. Joshi, ED(PSP and APP) in “Hydropower and Dams Development for Water and Energy Security – Under Changing Climate” an international conference organized at THDC India Limited at Rishikesh during 7-9th April, 2022. The paper was co-authored by Sh. Rajeev Vishnoi, Chairman and Managing Director, Sh. L.P. Joshi (ED- PSP & APP) and Ms. Madhwi Joshi, Sr. Manager, EMD.

The paper illustrated current trends in Pumped storage technologies, various configurations, existing policy frameworks and key enablers for the development of PSPs across the developed economies of the world. The paper emphasised on the need of PSPs in wake of large-scale infusion of REs into the grid. The paper also highlighted the policy interventions to promote PSPs as a storage element to mitigate the intermittency and unpredictability associated with RE sources. PSP is quite an old and proven technology and has provided a cost-effective solution to varied energy needs for decades. Globally, PSPs account for 90% of grid scale energy storage needs. With the advancement in semiconductor technology and improvement in power ratings of switching devices like IGBTs/IGCTs, pump storage technology landscape has undergone a drastic transformation. Sh. L.P. Joshi also co-chaired one of the technical sessions during the conference.

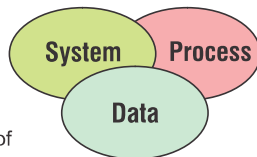




Integrating “Establish”-ment

THDCIL recently achieved a landmark feat with the smooth integration of the establishment function on 1st July, 2022. This means that all establishment matters except Apprenticeship, Medical Referrals and Post Retiral Medical Benefits will be dealt with by the Corporate HR team. I call this a landmark feat due to the enormous challenges involved in the process as well as the enormous benefits that THDCIL will reap out of it for years to come. Moreover, this is not just a procedural integration but also a cultural change. Establishment integration involved 3 broad dimensions-

- i. System Integration
- ii. Process Integration
- iii. Data Integration



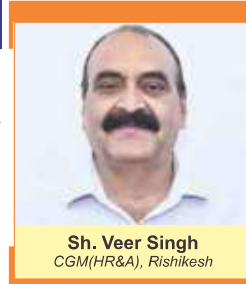
Let's analyze the needs, challenges and benefits of these 3 types of integrations.

Need and Benefits of integration of Establishment Matters

Whenever an organization moves in the organizational life cycle, it requires certain fundamental changes according to the business environment. It would not be wrong to say that THDCIL is currently in the **Growth phase**. THDCIL signed MoU with RRECL for renewable energies predominantly solar energy for 10,000 MW on 15th April 2022. Moreover, THDCIL is also venturing into new PSPs. Therefore, a need was felt to make work processes more aligned according to the evolving manpower and business needs. It is the need of the hour since THDCIL is spreading its wings in different geographies of India for renewable energy projects.

It is important to understand that centralization of the establishment will create uniformity in the process, improved checks, improved data quality and better synergy between various sections/departments. It will also bring uniformity in budgeting and record management. It will also promote data-driven decision-making. Centralization is also beneficial from the employee perspective since it will create quick decision-making structures with respect to employee

loans, advances, benefits, etc. which are governed by a common policy framework. It will ensure easy compliance too.



How centralization of the Establishment was achieved?

It has not been an easy task, initially, a lot of challenges were faced like laying down the process for attendance to processing centralized salary, documentation done by the employee at the unit on retirement, transfer of personnel files, communicating the changes to the employees etc. Multiple rounds of brainstorming sessions and meetings were conducted to identify the challenges.

Based on the foreseeable challenges custodians of modules in HRMS were re-mapped based on work distribution, new modules were developed in HRMS and several system developments like the new Face Recognition Attendance System are still in the pipeline. It started with the transfer of thousands of Personnel files to the corporate office. I am glad to inform you that most of the processes like Conveyance, Leaves, HRA, Lease, CHEL, Death Benevolent Fund, Sodexo, NOC for passport, etc. have been 100% centralized without any hiccups. HRMS was integrated with FMS for implementing this. The F&A department also proactively supported the transition. Steps are also being taken to digitize the processes further for a better employee experience in the future. In addition to that, Financial Assistance which was centralized in Tehri has been shifted to Rishikesh too.

The future course of action will involve further digitization of processes like NOC for the foreign visits, stock registers, Joining process, and probation confirmation. The lead time of HR service delivery will reduce further in the near future. It is exciting that the HR function is moving towards a new phase of exciting and enhanced employee experience. I would like to end the article by saying that

“Excellence is not a one-day feat but an outcome of continuous process improvement”





Commencement of Turbine Generator Erection Unit#1 at Khurja STPP

The work of Turbine Generator and associated packages of the project was awarded to BHEL on 03rd Oct'2019 and is progressing at a satisfactory pace on multiple fronts.

The TG Deck unit#1 was casted on 29th Jan'22. Subsequently, the preparatory works for the erection of the Turbine Generator were taken up. 2nd stage concreting, Ultrasonic Pulse Velocity tests on the casted concrete and deshuttering etc. were completed in due course of time. Condenser erection was also taken up on 25th March'2022 & the same is under erection.

The Turbine Generator (TG) erection was scheduled to be commenced on 26th May'2022. In the process, essential availability of EOT crane in Main Power House building was delayed and there were strong apprehensions for the delay in the commencement of TG erection also. EOT crane is now expected to be available by end of June 2022.

However, contingency arrangement was sought out and THDC has commenced the Turbine Generator erection on 25th May 2022 using an exclusive 250MT capacity crane to meet out the major Mile Stone of Khurja STPP.



Stakeholders Consultation Meeting Conducted at 50 MW Solar Power Project, Kasaragod

THDC India Limited signed an MOU with M/s MPCON for availing the benefits of Carbon credit from its renewable projects like 50 MW Solar Power Project at Kasaragod and 63 MW Wind Project, Dwarka. In this regard, a meeting with the stakeholders was organised on 06 June, 2022. The meeting was organised with the participation of Gram Panchayat representatives from nearby villages, Project operation & security staff at the project premises. In the meeting the benefits of Green Energy project were explained to the participants and their feedbacks were received.



A view of Stakeholders Consultation meeting



Generating Power... Transmitting Prosperity...

COVER STORY

THDCIL: Generating Power...Transmitting Prosperity...



Dr. A. N. Tripathy
Addl. GM (CC) & Editor



Gaurav Kumar
Manager (CC) & Dy. Editor



Kajal Parmar
Sr. PR Officer (CC)

“Time fly’s...” is a common saying that struck our common understanding when we decided to ink our cover story for this upcoming issue of Gangavataranam. As **“Rome was not built in a day...”** so the glorious 35-year history of THDCIL is an outcome of the blood and sweat of every member of the THDCIL family.

THDCIL has undeniably a story of success to share and follow, not merely because it added 1587 MW by commissioning various Power Projects, but it also showcased how infrastructure projects can play an inevitable part in powering inclusive growth for a nation. We have played a vital role in revolutionizing the power sector of the Nation by successfully commissioning Tehri HPP(1000MW) & Koteshwar HEP(400MW), 50 MW Patan and 63 MW Dwarka Wind Power Projects as well as 24 MW Dhukwan Small Hydro Project & 50 MW Solar Power Project in Kasaragod, Kerala. Now our installed capacity today stands at 1587 MW, which includes power generation from almost every source of energy be it Hydro, Wind Power, or Solar Power, only Thermal Power Generation is left right now for which we are implementing the 1320MW Khurja Super Thermal Power Project expected to be commissioned in 2024. This journey towards excellence is going on.

Since, its inception on 12th July, 1988, the corporation was entrusted with the mandate of implementing a herculean task i.e. commissioning of Tehri Hydro Power Complex (2400 MW). This task had to be achieved only with the healthy cooperation of all the concerned stakeholders and of course, the workforce in that was of the utmost importance. That was the time when basic infrastructure, roads, colonies, bridges, workshops, etc were established, which ultimately laid the foundation for the Tehri Dam Project and for the creation of THDC in 1988. Many senior employees still recall memories of the agitations and ‘dharnas’ faced by the Project from local population on issues of land acquisition. Project had to fight against a well-planned campaign from the ‘environmentalists’ and ‘intellectuals’ against the construction of the project and, thus, deprive the State of its development and benefits from this ambitious multi-purpose project. Against all odds, the project works, like the construction of four large-sized diversion tunnels, head race tunnels, and adits to underground power house cavity, continued to progress in anticipation of CCEA approval.

The project was conceived in 1949 as a major storage scheme on River Bhagirathi. The Government of U.P. was planning the construction of the Tehri Project in the State Sector; and the U.P. Irrigation Department and the U.P. State Electricity Board were engaged in finalizing the parameters, project estimates, etc. of the Project. The preliminary investigations for the Tehri Dam Project was completed in



COVER STORY

1961 and its design, with a 4x150 MW capacity power plant, was completed around 1972. The cost of the project was then estimated to be around Rs 196 crores. The DPR for implementation of the 1st stage of the project was prepared by UPID in 1979 enhancing the installed capacity to 1000 MW. The second stage of the project with 103m high concrete dam and 400 MW Power house was further enhanced by the construction of a unique pumped storage scheme with a capacity of 1000 MW. Thereby, having a total installed capacity of 2400 MW of Tehri Power Complex. Construction began in 1978 after feasibility studies but was delayed due to financial, environmental and social impacts. During the feasibility studies, a fierce debate took place between the U.P. Irrigation Department and the U.P. State Electricity Board regarding the allocation of cost of the project between Irrigation, Flood Control and Power. Ultimately, it was agreed that 40% cost will be allocated to Irrigation & Flood Control and 60% to Power.

In the mid-1980s, the USSR offered to provide technical and financial assistance for the implementation of the Tehri Dam and Power Plant Complex, including a 750KV transmission line from Tehri to Rishikesh. At this stage, the Government of U.P. and the Government of India decided to implement the Tehri Project as a joint project, in three stages: Tehri Dam Project with 1,000 MW in Stage 1, Koteshwar Power Plant with 400 MW capacity in Stage-2, and Tehri Pump Storage Plant with 1,000 MW in Stage-3. There was a substantial increase in the cost of the project; however, the Government of India agreed to provide about 75% of the funding. Therefore, Tehri Hydro Development Corporation (THDC) was incorporated as a SPV i.e., a Joint Venture of Govt. of India and Govt. of UP on 12th July 1988. THDC took over the works of the project from UPID in 1989.

For years after the Govt. had approved the implementation of the first stage of the mega Tehri Complex in 1994, for an estimated cost of Rs. 3391.40 cr. at March, 1993 price level, the coming up of the Project seemed like a mirage. The main task before the Corporation seemed to be countering questions relating to Dam safety, environment, and R&R. Work also centered on fighting various cases before courts. Amidst protests by the persons opposing the Dam, the Govt. of India, in 1996, constituted two Expert committees, one on Dam safety, and the other, known as the Hanumantha Rao Committee, on R&R and environmental aspects. Pertinently, the Committees included members all nominated by the opposing groups. Setting up of the Expert committees in fact changed the fortunes of the Corporation as the various controversies surrounding the Project were put to rest. The Expert Group on Safety unanimously concluded that the design of the Dam is expected to withstand the maximum credible earthquake during the life of the dam. The Hanumantha Rao Committee made wide-ranging recommendations relating to the R&R package with a view to ameliorating the genuine concerns of the affected population, as well on environmental measures. The apex courts recognized the measures taken by the Govt. and THDCIL and gave their green signal to the Tehri Project. There was no looking back for the Project and the Corporation after that, though opposition continued in various forms, including court interventions.

THDCIL has always been very proactive in implementing robust R&R policies and is a firm believer in sustainable development. Though the rehabilitation of the project-affected population was not an easy task but as said "A dream does not become reality through magic; it takes sweat, determination, and hard work" the corporation laid exemplary illustrations of rehabilitation and resettlement.

Today, THDCIL has become a leading and prestigious energy entity with its diversified presence in different sectors of power generation. With its installed capacity of 1587 MW and numerous projects in the pipeline, THDCIL is aspiring to be the leading Power Sector entity in the nation aligning with its vision of generation power and transmitting prosperity. No doubt that THDCIL has come a long way but we still have miles to go and promises to keep.



Generating Power... Transmitting Prosperity...

वीपीएचईपी द्वारा अलकनंदापुरम में पैथोलॉजी लैब की शुरुआत

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना द्वारा अलकनंदापुरम स्थित डिस्पेंसरी में स्वास्थ्य जाँच में सहयोग के लिए 01 जुलाई, 2022 को पैथोलॉजी लैब की शुरुआत की गई। पैथोलॉजी लैब का शुभारम्भ श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा किया गया। पीपलकोटी डिस्पेंसरी में उक्त सुविधा शुरू हो जाने से कर्मचारियों और आसपास के ग्रामीणों के सीबीसी, ईएसआर, प्लेटलेट्स, हेमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, केएफटी, हर प्रकार के कोलेस्ट्रॉल, आदि की जाँच अब अलकनंदापुरम में ही उपलब्ध रहेगी।



पैथोलॉजी लैब के शुभारंभ का दृश्य

इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि परियोजना के निर्माण के साथ-साथ टीएचडीसीआईएल आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता और अपने सामाजिक दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रही है। परियोजना के निर्माण के साथ-साथ आसपास के लोगों का विकास हमारी प्राथमिकता है।

टिहरी परियोजना में चिकित्सा सेमिनार व निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

03 जून, 2022 को टीएचडीसी (चिकित्सालय) भागीरथीपुरम एवं मैक्स अस्पताल, वैशाली के सहयोग से एक मेडिकल सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मैक्स अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा कर्मिकों को व्याख्यान दिया गया। इसी क्रम में 04 जून, 2022 को टिहरी परियोजना में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री संदीप अग्रवाल, महाप्रबंधक (नियोजन), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.) डॉ. प्रमोद कुमार, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय) एवं मैक्स अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। 119 लोगों द्वारा इस चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया गया।



टिहरी में आयोजित चिकित्सा शिविर का दृश्य



टिहरी में आयोजित चिकित्सा सेमिनार का दृश्य

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



स्वच्छता पखवाड़ा

भारत सरकार के निर्देशानुसार 16 मई, 2022 से 31 मई, 2022 तक टीएचडीसीआईएल के कॉरपोरेट कार्यालय सहित सभी परियोजना कार्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया जिसके तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

ऋषिकेश



ऋषिकेश बस अड्डा में टीएचडीसी द्वारा चलाए गए सफाई अभियान का दृश्य

टिहरी



स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर श्री यू.के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) द्वारा सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

कोटेश्वर



कोटेश्वर में श्री ए.के. धिल्लियाल, महाप्रबंधक (परियोजना) के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

खुर्जा



खुर्जा में श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया।



विश्व पर्यावरण दिवस, 2022



टिहरी परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन का दृश्य



पर्यावरण दिवस के अवसर पर पीपलकोटी में वृक्षारोपण का दृश्य

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

टिहरी

टिहरी बांध परियोजना में 01 जून, 2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (मा. सं. एवं जनसम्पर्क) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में श्री डी. एस. रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (सेवानिवृत्त) को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के संकाय प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया।



टिहरी में आयोजित हिंदी कार्यशाला का दृश्य



हिंदी कार्यशाला के शुभारंभ का दृश्य

कोटेश्वर

कोटेश्वर परियोजना में 02 जून, 2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ श्री ए. के. घिल्डियाल, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा सर्वप्रथम कोटेश्वर बांध परियोजना में सभी विभागाध्यक्षों के साथ वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की गयी। इस दौरान श्री डी. एस. रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (सेवानिवृत्त) को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के संकाय प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला में 30 कर्मचारियों ने भाग लिया।

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



One-Day Workshop on 'Crisis Communication and Building Trust' at Tehri

One-day workshop on 'Crisis Communication and Building Trust' was organized at Tehri Project on 12th May, 2022. Dr. Ajit Pathak, National President, Public Relations Society of India (PRSI) was the key speaker during the workshop. Dr. Pathak shared his views on the topic and briefed the employees regarding the importance of strategic and inclusive communication. Sh. U. K. Saxena, Executive Director (Tehri Complex) was also present in the workshop and shared his views along with Dr. Pathak.



A view during the workshop

Dr A. N. Tripathy, Additional General Manager(HR-Admin &CC) presented the welcome address on the occasion. Officials from Tehri project participated in the workshop.

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 8 जून, 2022 को टिहरी परियोजना, खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना एवं वीपीएचईपी में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।



टिहरी

टिहरी परियोजना में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी. सी.) द्वारा किया गया।



खुर्जा

खुर्जा परियोजना में श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।



पीपलकोटी

वीपीएचईपी में कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा पौधारोपण के साथ किया गया।



Generating Power... Transmitting Prosperity...

आतंकवाद विरोधी दिवस- 2022



ऋषिकेश

आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर कॉरपोरेट कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ ग्रहण की गई।

खुर्जा
खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना परिसर में श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) की अध्यक्षता में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आतंकवाद विरोधी दिवस पर आतंकवाद के जड़ से उन्मूलन में सहयोग करने की शपथ ली।



कोटेश्वर

कोटेश्वर परियोजना में श्री वी. के. गोयल, अपर महाप्रबंधक द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ दिलाई गई।

खुर्जा-एसटीपीपी में कोविड-19 की बूस्टर डोज

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना कार्यालय परिसर में 27 अप्रैल, 2022 को कोविड टीकाकरण शिविर लगाकर 38 अधिकारियों एवं उनके आश्रितों को कोविड-19 की बूस्टर डोज लगाई गई। शिविर का शुभारंभ श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) एवं श्रीमती बिनीता शरद को बूस्टर डोज लगाने के साथ किया गया। इस टीकाकरण शिविर का आयोजन कैलाश अस्पताल, खुर्जा के समन्वय से किया गया।





लेडीज क्लब, ऋषिकेश द्वारा वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन



वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन का दृश्य

लेडीज क्लब द्वारा 29 अप्रैल, 2022 को वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। कार्यक्रम में क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई, संरक्षिका, श्रीमती सागरिका बेहेरा और श्रीमती पूनम अग्रवाल सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

लेडीज क्लब की पूर्व अध्यक्षा के विदाई समारोह का आयोजन

लेडीज क्लब की पूर्व अध्यक्षा, श्रीमती रेनू सिंघल के विदाई समारोह का आयोजन क्लब के सदस्यों द्वारा 11 मई, 2022 को किया गया। इस दौरान क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई और संरक्षिका, श्रीमती सागरिका बेहेरा मुख्य रूप से उपस्थित रही। इस अवसर पर श्रीमती शिखा गोयल ने नई अध्यक्षा का कार्यभार संभाला।



विदाई समारोह के आयोजन का दृश्य

विदाई समारोह का आयोजन



विदाई समारोह के आयोजन का दृश्य

26 मई, 2022 को श्रीमती पूनम अग्रवाल के विदाई समारोह का आयोजन लेडीज क्लब द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई और संरक्षिका, श्रीमती सागरिका बेहेरा भी उपस्थित थी।



Generating Power... Transmitting Prosperity...

HRD Corner

Orientation Training Programme For ETs (Finance) 2021, Batch

Corporate HRD organised a 02-week Orientation Training programme for new Executive Trainees (Finance) from 30th May to 10th June, 2022 at the Campus of Sustainable Livelihood and Community Development Centre, Aam Bagh, Rishikesh. The training program was inaugurated on 30th June, 2022 by Sh. J. Behera, Director (Finance) & Sh. Veer Singh, CGM(HR & A). During the training programme, the Executive trainees were briefed about various departments including the policies, employee benefits, CDA rules etc.

A visit to Bahadradab for Model study of Tehri & Outbound Training at Peagasus Academy & Consulting, Dehradun were also arranged for the ETs.



A group photograph of ET (Fin) 2021 Batch

Training Programme on “Right To Information Act “



A group photograph during the virtual training on “RTI ACT, 2005 “

A 02-day online training programme on the “Right to Information Act, 2005 ” was organized by Corporate HRD from 15th to 16th June 2022. Sh. O. P. Khorwal, Consultant on RTI for SCOPE & Former General Manager, NTPC & Sh. Akashdeep, IPoS were the Resource persons of the programme. Total 24 employees from various locations of THDCIL attended the program.

Training Programme on “Superannuation Planning”

A Training Programme on “Superannuation Planning” was organized for the employees (Supervisors & Workmen). The program was designed to enable participants to manage Transition phase crises & Challenges of Superannuation including Geriatrics. The program was conducted through Rapid Learning System, Kolkata. Total 45 participants attended the program.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



Special Commendation for THDCIL in 31st National Innovative Training Practices Awards

Indian Society for Training & Development (ISTD) New Delhi organized 31st National Awards (2020-21) for Innovative Training Practices on 25th June, 2022 at SCOPE Convention Centre, New Delhi. Leading CPSEs, PSU Banks and Private Companies made presentations on innovative training practices during 2020-21 (the Pandemic Year) in their respective organization. A team



Team THDCIL received an award from Professor Rita Bahuguna Joshi

from THDC comprising Sh. S.K. Sharma, Dy. GM (HRD), Sh. Ashish Pathak, Sr. Officer (HR-Welfare) and Sh. Abhishek Singh Tomar, Sr. Officer (HR-Admin) participated in the event. Team THDCIL received a Certificate of Appreciation on attaining the Expert Panel evaluation Milestone of Innovative Training Practices Award 2020-21 and a Special Commendation in the Manufacturing Category.

Summer Camp- 2022

Summer Camp was organized at the Corporate Office, Rishikesh from 6th June, 2022 to 24th June, 2022 for the wards of employees. During the camp, three events viz., Horse Riding, Dancing and Shooting camp each for 15 days were organized.



A view of the summer camp- 2022

Congratulations & Best Wishes...



Mr. Udit Verma, S/o Smt. & Sh. Mukesh Verma, Dy. General Manager (HR), THDC India Limited, Rishikesh has been selected for Post Graduate Programme at Indian Institute of Management (IIM), Calcutta. Earlier he has done Bachelor of Engineering (Electrical- I&C) from Netaji Subhas Institute of Technology, Dwarka, New Delhi. THDC India Limited wishes him good luck for his bright future.



कु० नैन्सी उपाध्याय पुत्री श्री एन.के.उपाध्याय वरिष्ठ प्रबन्धक (पी०एस०पी०) ने ISBR, Business School Bangalore से सत्र 2020-22 में Post Graduate Diploma in Management, Specialisation & Human Resource Management प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड परिवार कु० नैन्सी उपाध्याय को उक्त उपलब्धि प्राप्त करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



विश्व रक्तदाता दिवस-2022

टिहरी

14 जून, 2022 को टिहरी परियोजना में विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया जिसका उद्घाटन श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी. सी.) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान श्री सक्सेना ने सभी रक्त दाताओं को शपथ दिलाई व अन्य लोगों को भी रक्तदान करने हेतु जागरूक किया।



विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण का दृश्य



विश्व रक्तदाता दिवस के आयोजन का दृश्य

पीपलकोटी

वीपीएचईपी में 14 जून, 2022 को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान की महत्ता पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री वी.पी. रयाल, महाप्रबंधक (विद्युत एवं संचार) की अध्यक्षता में सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को रक्तदान की शपथ दिलायी गई।

रक्तदान शिविर का आयोजन

टिहरी

टिहरी परियोजना में 06 अप्रैल, 2022 को भागीरथीपुरम चिकित्सालय में टीएचडीसीआईएल के सौजन्य एवं आई.एम.ए. ब्लड बैंक के सहयोग से एकदिवसीय



रक्तदान शिविर का दृश्य

रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का शुभारंभ श्री यू. के. सक्सेना, कार्यपालक निदेशक (टी. सी.) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में टीएचडीसी के कर्मिकों, सीआईएसएफ के जवानों एवं स्थानीय लोगों द्वारा रक्तदान किया गया।

पीपलकोटी

वीपीएचईपी में 04 जून, 2022 को जिला अस्पताल गोपेश्वर, चमोली के सहयोग से परियोजना क्षेत्र की डिस्पेंसरी में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया



रक्तदान शिविर का दृश्य

गया। शिविर का शुभारंभ श्री आर. एन. सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री शशि भूषण प्रसाद, उप महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.) एवं डॉ. नवनीत कुमार त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।



Widow Pension Scheme: A wave of hope for many women-an initiative by VPHEP- THDCIL

"Is budhape mein kam se kam bahar jakar kaam toh nhi karna padh rha hai jabse THDC company hume pension de rhi hai" said Mrs. Shiva Devi, one of the beneficiaries of the Widow pension scheme of VPHEP-THDCIL, when Social workers Ms. Shaifali Rai, Mrs. Neelam Hatwal and Mr. Gaurav Chaudhari asked her about the ongoing pension scheme. Another beneficiary Mrs. Savitri Devi who stays alone in Panchayat Bhawan of village Dasawana, as she was casted-aside from home by her own sons, stated that this financial assistance in the name of Widow pension is manifesting as a silver lining in the dark clouds.

There are 24 (9 cases are in process) widow women who are being benefited under this scheme and are getting Rs 1500/- per month as financial support from VPHEP-THDCIL. It is evident from their words that now they don't need to go and work outside in senility as this financial assistance has been proven as a boon for these widow women.

THDC India Limited believes that "Healthy, educated and empowered women and girls are the agents of change". When women are supported, they gain the opportunity and confidence to speak up, advocate for their rights, and most importantly become independent. Working in this direction, THDC India Limited is running a program for widow women known as the Widow Assistance Program in VPHEP to make women self-reliant so that they can rise in social standing and channelize the same into future generations. VPHEP is committed to the development of the project-affected villagers and is trying its edge to fulfill its commitments to the people of the area.



Sh. Veer Singh, Chief General Manager(HR&A) inaugurated 01 year Yoga Training Programme at THDCIL, Rishikesh on 04th May, 2022



Generating Power... Transmitting Prosperity...

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. P. K. Aggarwal, Executive Director (Technical) superannuated from the services of THDC India Limited on 31.05.2022.

He graduated in Civil Engineering from Regional Engineering Collage, Kurukshetra in 1983 and completed his masters in Rock Mechanics from IIT, Delhi in 1989. He has overall professional experience of about 38 years 6 months in the fields of Materials investigation, Quality Control of Civil structures related to hydro power development, Planning & Monitoring of hydro power projects, Construction, operation & maintenance of Hydro Power Plants.

Sh. Aggarwal worked with THDCIL for more than 32 years and was initially instrumental for setting up Quality Control related facilities for Tehri Dam. Strict quality control measures were adopted under his leadership for material processing of various dam fill materials used in construction of 260.5 m high Earth and Rockfill Tehri Dam. During his tenure as Corporate Head of Monitoring & Project Services Deptt., Rishikesh, stringent and innovative monitoring practices were exercised for early commissioning of Koteshwar HEP and Project was conferred with PMI India award for the year 2012. Alongwith O&M of 400 MW, Koteshwar HEP, balance civil works of the Project including plugging of Diversion Tunnel of Koteshwar Project with revised methodology were completed successfully during his tenure as GM (Project), Koteshwar.

Sh. Aggarwal was entrusted with higher responsibility of some Technical Dept. at Corporate Office alongwith overall responsibility of Amelia Coal Mine development and operational wind, solar and Dhukwan Plants as Executive Director (Technical) since August, 2021. Operational performance of wind plants improved during his tenure and some pending issues of Dhukwan plant were also got resolved by him. Sh. Aggarwal put significant efforts for obtaining pending clearances of Amelia Coal Mine and R&R of Project Affected People and mine is now expected to be opened before schedule.



Sh. P. K. Aggarwal
ED (Technical) Rishikesh
Date of Retirement:
31.05.2022



Sh. S K Sharma
GM (Electro-Mechanical
Design) Rishikesh
Date of Retirement:
30-06-2022

Sh. S. K. Sharma superannuated from the corporation on 30.06.2022. He was serving the organization as General Manager (Electro-Mechanical Design), Rishikesh.

Sh. Sharma graduated with B-Tech (Electrical Engineering) from Aligarh Muslim University in 1989 and started his career with DESU (Delhi Electricity Supply Undertaking) New Delhi in 1990. After working in DESU he joined THDC India Ltd. as Engineer Trainee (Electrical) in 1990.

In the year 1990-2008 he was entrusted with the work of providing construction power to main structure Dam, HRT, Spillway and powerhouse etc. of Tehri Dam. He was associated with the external agency (M/s Power Machines, M/s BHEL, consultant) for the erection, testing and commissioning of the 4X250 MW Hydrogenerator. After the successful commissioning of the Tehri Dam Project, Sh. Sharma was transferred to Corporate Office in MPS Deptt. and was entrusted with the monitoring of Electro-Mechanical supply from BHEL for erection, testing and commissioning of KHEP (4X100) MW and was also associated with the restoration of KHEP after floods. Sh. Sharma was transferred to OMS & QA dept. Rishikesh and was entrusted with making the maintenance schedule of Tehri & KHEP and organized fault analysis meetings to ensure reduction of breakdown time during operation. In QA Deptt. he was entrusted for vendor evaluation, MQP (Manufacturing Quality Plan), PDI (Pre-dispatch Inspection) and MDCC (Material dispatch clearance certificates) of construction stage projects. Sh. Sharma was entrusted in EM-Design Deptt. in approval of Electromechanical designs of PSP, VPHEP and Dhukwan HEP. Sh. Sharma was also associated with the erection, testing and commissioning of DSHEP. His contribution in THDCIL will always be acknowledged.



भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. K.B. Singh superannuated from the corporation on 30.06.2022. He was working as GM(In-charge) at 800 MW UMREPP, Chitrakoot, TUSCO Ltd.

Sh. Singh graduated as an Electrical Engineer from MSRIT Bangalore. He started his professional career with RPG group of companies. Sh. Singh joined THDCIL in the year 1990 as Assistant Engineer in Electrical Design unit. Sh. Singh was assigned the job of preparing Technical Specifications for EM & HM works of Tehri HPP (4X250 MW). Sh. Singh executed the job successfully in close coordination with CEA. Subsequently, Bid documents were prepared for the same. Sh. Singh was transferred to quality control department at Rishikesh in 1993-94. Sh. Singh was transferred to Tehri in 1995 and worked in maintenance and rehabilitation units and thereafter was assigned the responsibility of erection and commissioning job in Tehri HPP. Sh. Singh was at Tehri till the commercialization of the last unit.



Sh. K. B. Singh
GM (In-Charge)
TUSCO Ltd., Chitrakoot
Date of Retirement:
30.06.2022

In 2007, Sh. Singh was transferred to OMS department at Rishikesh. Sh. Singh worked in close coordination with NTPC and prepared the Quality Assurance and inspection documents for VPHEP. QA&I of KHEP was successfully executed by Sh. Singh and his team.

In 2012, Sh. Singh was transferred to VPHEP Pipalkoti where the job of erection & commissioning of 2x66/33/11 KV 5MVA substation was successfully done. Round-the-clock electricity and data supply to township and rehabilitation sites were ensured.

In 2022, Sh. Singh transferred to TUSCO and worked as in-charge of the solar park. Lease rates were successfully finalized and lease deed for 200 acres of Pvt. land was signed till June 2022 despite the substantial period of stoppage in work due to UP Vidhan Sabha elections.



Sh. V. K. Gupta
GM (Liaison)
Dehradun
Date of Retirement:
30.04.2022

Sh. V. K. Gupta superannuated from the corporation on 30.04.2022. He was serving the organization as General Manager (Liaison), Dehradun Office.

Sh. Gupta joined THDCIL as Assistant Engineer in the year 1990. Out of 32 years of total service in THDC India Limited, he served for nearly 25 years in rehabilitation-related works of the Tehri Dam Project and worked for 07 years in the construction of the spillway of the Tehri Dam Project. Sh. Gupta had a rich experience in framing and implementing rehabilitation policies on various issues.



Sh. Sanjay Kher
GM (Hybrid Energy)
Kaushambi
Date of Retirement:
30.04.2022

Sh. Sanjay Kher superannuated from the corporation on 30.04.2022. He was working as GM (Hybrid Energy) at NCR Office, Kaushambi.





Generating Power... Transmitting Prosperity...

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



श्री देवव्रत शर्मा
अपर महाप्रबंधक (पर्यावरण)
खुर्जा
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री दिनेश वर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (कानून-आर. सी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री जे. के. श्रीवास्तव
प्रबंधक,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (संविवालय)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री रूप मोहन थपलियाल
उप अभियंता (बी.आर.एम.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 31.05.2022



श्री उत्तम सिंह
उप अधिकारी (मा. सं)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 31.05.2022



श्री सुन्दर लाल बेलवाल
उप अधिकारी (सी. - एम. एम.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री रोशन सिंह चंदेल
उप अधिकारी (मैकेनिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री विमल कुमार नौटियाल
उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री गंगा प्रसाद कुकरेती
उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री राम चंद्र सकलानी
उप अभियंता (मैकेनिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री प्रीतम सिंह
सहायक (जी एण्ड जी)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति : 31.05.2022



श्री सुन्दर लाल
हेल्पर (मैकेनिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.04.2022

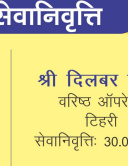


श्री लाल सिंह चौहान
हेल्पर (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति : 30.06.2022



श्री उत्तम सिंह कैतुरा
वरिष्ठ कुक
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2022

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति



श्री दिलबर रावत
वरिष्ठ ऑपरेटर
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2022



शोक संवेदना

टीएचडीसीआईएल परिवार श्री सुधीर लखड़ा जी के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना प्रकट करता है तथा उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिवार जनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु परमात्मा से प्रार्थना करता है।



श्री सुधीर लखड़ा
वरिष्ठ प्रबंधक (मा. सं.- भर्ती)
ऋषिकेश
निधन: 14.05.2022



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



“Every Life is Precious – Community Hospital by VPHEP-THDCIL”

Community Hospitals are the corner stone of health and healing in rural areas, therefore Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) is providing healthcare facilities to all the nearby villagers. The community hospital at VPHEP is working to deliver quality healthcare. The community hospital is well equipped with qualified doctors along with a paramedical staff consisting of Lab technicians, Pharmacists, Staff Nurses, and Ward boys. The pharmacy at the hospital provides free-of-cost medicine to all. The hospital rooms are also well equipped with all the necessary equipment like ECG machines, Nebulizers, Suction machines, and Oxygen cylinders in order to provide both primary and emergency care. A Pathology lab is being set up at the hospital. In addition to that THDCIL is also providing a 24x7 ambulance facility for the villagers and people around. In the past few years, a total of 19,876 PAPs have been benefitted from the facilities provided by the community hospital at THDCIL.



Hospital staff along with the Social workers at VPHEP

“Saheli ”: A benevolent bond for the rural women by VPHEP-THDCIL

An awareness drive “Saheli” with the tagline “Saheli aayi, Swasthya aur Samaanta ka Adhikaar laayi” was launched under the theme of Health & Hygiene and Gender sensitization in project-affected areas of VPHEP. The awareness drive was launched under the guidance of Sh. R.N. Singh, Executive Director



Inauguration ceremony of Saheli at village Eldana & Dawana

(Project). This drive covered all 27 project-affected villages including schools in and around the project with the aim to spread awareness about menstrual health and bust the taboo and myths around the same. Hygiene kits, including sanitary napkins, dusting powder, and intimate hygiene wash were also distributed during the drive. The drive was inaugurated in the first week of April by Sh. R.N Singh, Executive Director (Project).

Doctor's Advice



Dr. Vibha Chaudhary
CMO , Niramay Swastha Kendra,
THDCIL , Rishikesh



Dr. Shikhar Kishore Verma
GDMO, Niramay Swastha Kendra,
THDCIL, Rishikesh.

As the monsoons have arrived, it has brought us relief from the scorching temperatures of the summer but on the other hand, we need to be a little cautious too as many diseases also spread during this season e.g. Dengue and Typhoid. So here are few points we would like to present before you to be cautious about:

- Avoid formation of puddles, stagnant water near your house, places where the mosquitoes (specifically Aedes) responsible for Dengue lay their eggs and thus becomes a breeding ground for them. To avoid this, remove buckets, barrels, toys, plastic bags and other clutter from your property.

Water features that are deeper than 2 feet with vertical walls are less likely to be breeding grounds as larvae survive on shallow water.

Bubblers, fountains, water-wigglers, and waterfalls increase water circulation and prevent mosquito larvae from coming to the surface to breathe.

If Larvae has already developed in stagnant water , then the best way to get rid of them is either by using Larvicide (if the water is NOT meant for Consumption) or by pouring Olive Oil or Dish Soap solution over the stagnant water. This will form a layer on top of the stagnant water and kill the larvae.

Also there are certain laws which enable the respective authorities to fine an individual if any larvae or breeding grounds are found near their premises.

Finally , use of mosquito repellants while going out provides efficient safety against diseases spread by mosquitoes (Vector Borne Diseases).

- Avoid Street food during the monsoons. During this period there is increased risk of spread of water and food borne diseases.

Home cooked food should be preferred. Washing of raw vegetables properly and boiling them will further reduce the risk of diseases.

We would also like to point out that the number of cases of COVID-19 has been steadily increasing once again all over the country. The daily positivity rate is around 4.14% while the recovery rate is around 98.54%. Although this time the infection is not that fatal as compared to its earlier variants but one should still be cautious especially those with Co morbidities like Diabetes Mellitus and Hypertension.

Use of masks and sanitizers are still the most effective ways of preventing the risk of getting COVID-19 infection. Masks should be properly used, which should cover your face and mouth especially when you are going out or are in a crowded place.

All three doses of COVID-19 vaccination should be completed and though being vaccinated does not guarantee that a person cannot get infected with COVID-19, but in case a person get infected he/she will have mild symptoms mostly and rate of recovery is fast.

Hope this little piece of information help all of you to stay safe and healthy.



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड THDC INDIA LIMITED

ऑ. ए.एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए नंगा मदन, प्रगतीपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश-249201 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504. वेबसाइट: www.thdc.co.in ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(नि:शुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

www.paromita.org

Follow us:



@THDCIL 24x7



@THDCIL



@THDCIL_MOP



@THDCIL India Limited-Official